

- निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं—खण्ड 'क', खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग'।
(ii) खण्ड 'क' के सभी प्रश्नों को हल करना है।
(iii) खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग' में से केवल एक खण्ड के प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
(iv) खण्ड 'क' 85 अंकों का और खण्ड 'ख' अथवा खण्ड 'ग' 15 अंकों का है।

खण्ड-क

1. (क) निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

नरहरि! चंचल है मति मेरी,
कैसे भगति करूँ मैं तेरी।
तूँ मोहि देखै, हौँ तोहि देखूँ, प्रीति परस्पर होई।
तूँ मोहि देखै, तोहि न देखूँ यह मति सब बुधि खोई।
सब घट अंतर रमसि निरंतर, मैं देखन नहिँ जाना।
गुन सब तोर, मोर सब औगुन, कृत उपकार न माना।
मैं, तैं, तोरि-मोरि असमझिसौँ, कैसे करि निस्तारा।
कह 'रैदास' कृष्ण करुणामय! जै जै जगत-अधारा॥

अथवा

आँधियाँ नहीं जिसमें उमंग भरती हैं,
छातियाँ जहाँ संगीनों से डरती हैं,
शोणित के बदले जहाँ अश्रु बहता है,
वह देश कभी स्वाधीन नहीं रहता है।
पकड़ो अयाल अन्धड़ पर उछल चढ़ो रे।
किरिचों पर अपने तन का चाम मढ़ो रे!

- (ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए :

धोय-धोय हारी, 'पदमाकर' तिहारी सौँह,
अब तौ उपाय एक चित्त में चढ़ै नहीं।
कैसी करौँ, कहाँ जाऊँ, कासे कहूँ, कौन सुनै,
कोऊ तो निकासो, जासै दरद बढै नहीं।
एरी मेरी बीर! जैसे-तैसे इन आँखिन तैं।
कढ़िगो अबीर, पै अहीर तो कढ़ै नहीं।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 35-35 शब्दों में दीजिए :

- (क) 'कठपुतली' कविता में कवि ने कठपुतली बनकर जीने वाले मनुष्यों की भर्त्सना क्यों की है? पठित कविता के आधार पर उत्तर दीजिए।
- (ख) पठित पदों के आधार पर मीराबाई की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।
- (ग) "परिचय इतना इतिहास यही, उमड़ी कल थी मिट आज चली"—काव्य-पंक्तियों के माध्यम से कवयित्री महादेवी क्या कहना चाहती हैं?

3. 'भरत का भ्रातृ-प्रेम' काव्य-पंक्तियों में कवि तुलसीदास ने राम के स्वभाव की किन-किन विशेषताओं का उल्लेख किया है? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'वह तोड़ती पत्थर' कविता का मूल भाव क्या है? स्पष्ट कीजिए।

4. रीतिकालीन कविता अथवा प्रयोगवादी कविता की किन्हीं दो विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

5. (क) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में निहित रस बताइए :

बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाय।
सौह करै, भौंहनु हँसै, दैन कहै नटि जाय॥

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियाँ किस छन्द में रची गई हैं?

आवत ही हुलसै नहीं, नैनन नहीं सनेह।
तुलसी तहाँ न जाइए, कंचन बरसै मेह॥

6. निम्नलिखित कविता को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

एक सुनहरी किरण उसे भी दे दो
भटक रहा जो अँधियारी के वन में
लेकिन जिसके मन में
अभी शेष है चलने की अभिलाषा,
एक सुनहरी किरण उसे भी दे दो।
मौन कर्म में विरत, बद्ध पिंजर में व्याकुल
भूल गया जो दुख जतलाने वाली भाषा
उसको भी वाणी के कुछ क्षण दे दो।
तुम जो सजा रहे हो, ऊँची फुनगी पर के ऊर्ध्वमुखी
नव पल्लव पर आभा की किरणें, तुम जो जगा रहे हो
दल के दल कमलों की आँखों के
सब सोए सपने, तुम जो बिखराते हो भू पर
राशि-राशि सोना, पथ को उद्भासित करने एक किरण से

उसका भी माथा उद्भासित कर दो
एक स्वप्न उसके भी सोए मन में
जाग्रत कर दो, एक सुनहरी किरण उसे भी दे दो।

- (क) कवि एक सुनहरी किरण किसे देने को कह रहा है? 1
(ख) 'वाणी के क्षण' से क्या अभिप्राय है? 1
(ग) "एक किरण से उसका भी माथा उद्भासित कर दो"—पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। 1
(घ) 'एक स्वप्न उसके मन में जगाने' की चर्चा कवि ने क्यों की है? 1
(ङ) प्रस्तुत काव्यांश का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कीजिए। 1

7. (क) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

कुटज के ये सुन्दर फूल बुरे तो नहीं हैं। जो कालिदास के काम आया हो, उसे ज्यादा इज्जत मिलनी चाहिए। मिली कम है। पर इज्जत तो नसीब की बात है। रहीम को मैं बड़े आदर के साथ स्मरण करता हूँ। दरियादिल आदमी थे, पाया सो लुटाया। लेकिन दुनिया है कि मतलब से मतलब है, रस चूस लेती है, छिलका और गुठली फेंक देती है।

अथवा

संक्षेप में जीवन की कृतार्थता यह है कि वह दृढ़ हो, पर अड़ियल न हो। दृढ़, वह जो औचित्य के लिए, सत्य के लिए टूट जाता है, वह हिलता और झुकता नहीं। अड़ियल, वह जो औचित्य और अनौचित्य, समय-असमय का विचार किए बिना ही अड़ जाता है और टूट तो जाता है, पर हिलता-झुकता नहीं।

दो टूक बात यों कि जीवन वह है, जो समय पर अड़ भी सकता है और समय पर झुक भी, पर टूँठ वह है, जो अड़ ही सकता है, झुक नहीं सकता।

- (ख) पठित पाठ के आधार पर रामचन्द्र शुक्ल अथवा मन्नू भण्डारी की भाषा-शैली की दो विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 2

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 35-35 शब्दों में दीजिए :

2+2=4

- (क) 'जिजीविषा की विजय' पाठ में लेखक ने डॉ० रघुवंश को कर्मयोगी क्यों कहा है?
(ख) रामचन्द्र शुक्ल ने 'क्रोध' पाठ में बैर को क्रोध का अचार या मुरब्बा क्यों कहा है?
(ग) 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ में नई पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी में समझौते की सम्भावना पर आप तर्कयुक्त उत्तर दीजिए।

9. "‘अनुराधा’ कहानी में नारी मन की व्यथा का चित्रण हुआ है।" इस कथन की पुष्टि सोदाहरण कीजिए। 2

10. 'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास में कुमुद को 'विराटा की पद्मिनी' क्यों कहा गया? सोदाहरण उत्तर दीजिए। 3

11. "आंचलिक उपन्यास की प्रायः सभी विशेषताएँ 'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास में साकार हुई हैं।" इस पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 3

12. (क) कुमुद ने अपना प्राण-विसर्जन कहाँ और क्यों किया? 1

(ख) सिंहगढ़ पर विजय पाने के बाद देवीसिंह ने छोटी रानी के साथ कैसा व्यवहार किया? 1

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

दुनिया रसायनों से ही चल रही है। जीवन रासायनिक प्रक्रियाओं में गुँथा है। वास्तव में जीवन की प्रक्रियाएँ, क्रमिक रासायनिक अभिक्रियाओं का ही परिणाम है। हर साँस, हर प्रयत्न, पसीने की हर बूँद अथवा पेट में भूख की ऐंठन सभी का कारण रासायनिक अभिक्रियाएँ हैं।

हमारे पर्यावरण की सारी वस्तुएँ और हम सब, रासायनिक यौगिकों से बने हैं। हवा, मिट्टी, पानी, खाना, वनस्पति और जीव-जन्तु ये सब अजूबे जीवन की रासायनिक सच्चाई ने पैदा किए हैं। रसायन न होते तो पृथ्वी पर जीवन ही नहीं होता। पानी, जो जीवन का आधार है, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन से बना एक रासायनिक यौगिक है। मधुर-मीठी चीनी, कार्बन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन से बनी है। कोयला और तेल, बीमारियों से मुक्ति दिलाने वाली औषधियाँ, अनाज, सब्जियाँ, फल-मेवे सभी तो रसायन हैं।

आज रसायनविज्ञान काफ़ी आगे बढ़ चुका है। जैसे-जैसे हमारी रसायन सम्बन्धी क्षमता बढ़ी है, उनके जीव-वैज्ञानिक प्रभावों के प्रति हमारी चिन्ता भी बढ़ी है। रसायनों का जरूरत से अधिक और गलत उपयोग हमारे पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए विनाशकारी सिद्ध हो सकता है। जीवन के सभी क्षेत्रों में रसायनों के खतरों के प्रति प्रश्न उठ रहे हैं। इनकी मारक शक्ति, आनुवंशिक, अनिष्टकर और क्षयकारी प्रभाव—सचमुच में सभी गम्भीर चिन्ता के विषय हैं।

रसायन जीवन में जोखिम भी उत्पन्न करते हैं, कई उनमें से बहुत जहरीले होते हैं, उनके तात्कालिक 'उग्र' प्रभाव जीवन को खतरे में डाल देते हैं और कइयों के दीर्घकालिक प्रभाव होते हैं जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलते हैं।

(क) "दुनिया रसायनों से ही चल रही है।" इस कथन की पुष्टि में लेखक ने क्या-क्या प्रमाण दिए हैं? 2

(ख) रासायनिक अभिक्रियाएँ पर्यावरण पर क्या प्रभाव डालती हैं? 2

(ग) "रसायन न होते तो धरातल पर जीवन ही नहीं होता।" ऐसा क्यों कहा गया है? 2

(घ) "जैसे-जैसे हमारी रसायन क्षमता बढ़ती जा रही है, वैसे ही हमारी चिन्ताएँ भी बढ़ रही हैं।" इस कथन की पुष्टि सोदाहरण कीजिए। 2

(ङ) प्रस्तुत गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक सुझाइए। 1

(च) निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय और उपसर्ग अलग करके लिखिए :

1/2+1/2=1

क्रमिक ; विज्ञान।

(छ) संधि-विच्छेद कीजिए :

1/2+1/2=1

पर्यावरण ; रसायन।

14. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) सुभाष चन्द्र बोस ने कहा था तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा (उपयुक्त विराम-चिह्न लगाइए)

(ख) मुझे केवल यही पुस्तक चाहिए। (वाक्य शुद्ध कीजिए।)

(ग) (i) प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर पर आए।

(ii) सैनिक टुकड़ी ने सलामी दी।

(दोनों वाक्यों का मिश्र वाक्य बनाइए)

(घ) चलो, चलकर नहाँ। (भाववाच्य में बदलिए)

(ङ) हो सकता है आज धूप निकले। (अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

15. निम्नलिखित में से किसी एक का भाव-पल्लवन कीजिए :

(क) ऐसी वाणी बोलिए, मनका आपा खोए।

(ख) जाके पाँव न फटी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई।

16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए :

(क) महँगाई और गृहिणी की रसोई

(ख) वह भयंकर बाढ़ जो भुलाए नहीं भूलती

(ग) वरिष्ठ नागरिकों की उभरती समस्याएँ

(घ) डिग्री-प्राप्त युवा-वर्ग में तनाव

17. दूरदर्शन के निदेशक को पत्र लिखिए जिसमें मनोरंजन के कार्यक्रमों में अश्लील संवादों एवं गानों पर रोक लगाने की प्रार्थना की गई हो।

18. प्रतिवेदन के प्रयोजन को स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

19. टिप्पण-लेखन क्या होता है—यह बताते हुए फाइल पर टिप्पण लिखने की पद्धति को स्पष्ट कीजिए।

20. बीती रात गए जब आप गहरी निद्रा की अवस्था में थे 'मारो-मारो' की आवाजों ने आपको जगा दिया। आप बिस्तर छोड़कर घर के बाहर गए और देखा कि एक नाबालिग लड़के को चोर समझ बुरी तरह पीटा जा रहा था। उस समय आपको कैसा महसूस हुआ—उसका वर्णन लगभग 35 शब्दों में कीजिए। 2

21. निम्नलिखित सूचना को वृक्ष-आरेख द्वारा समझाइए : 4

हिन्दी साहित्य का प्रारम्भिक काल आदिकाल के नाम से जाना जाता है। (i) इसमें तीन प्रकार का साहित्य रचा गया—(i) धार्मिक प्रचार एवं प्रसार का साहित्य, (ii) वीरकाव्य तथा (iii) अन्य—धार्मिक साहित्य में (i) सिद्ध साहित्य, (ii) नाथ साहित्य और जैन साहित्य (iii) वीरकाव्य में रासो और (iii) अन्य के अन्तर्गत अमीर खुसरो का काव्य और दूसरा विद्यापति का काव्य।

खण्ड-ख

(सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी)

22. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो के अर्थ स्पष्ट कीजिए : $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$

- (क) पत्रकार दीर्घा
- (ख) कार्टून अथवा हास्य पट्टी
- (ग) स्ट्रिंजर

23. (क) फ़ीचर किसे कहते हैं और उसे कैसे प्रस्तुत किया जाता है? 2

(ख) संचार माध्यम के प्रकारों का उल्लेख करते हुए किसी एक का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 2

24. (क) रेडियो पर समाचार वाचन करने वाले में क्या-क्या गुण होने चाहिए? उन पर प्रकाश डालिए। 2

(ख) दूरदर्शन में समाचारों की भाषा कैसी होनी चाहिए? उसका उल्लेख कीजिए। 2

25. (क) आप महिलाओं के अधिकारों एवं नारी-सशक्तिकरण के पक्षधर हैं। जनता-जनार्दन तक अपनी बात पहुँचाने के लिए एक समाचार आइटम तैयार कीजिए। 3

(ख) विद्यालयों में गुरु-शिष्य सम्बन्धों में धीरे-धीरे प्रेम, आदर, स्नेह एवं अपनत्व का हास होता जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप आने वाली पीढ़ी के जीवन में भटकाव आना प्रारम्भ हो गया है। यह देखकर आप बहुत चिन्तित हैं। आप इस स्थिति से उभरने के लिए अपने सुझावों का सीमित शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए, जिसे दूरदर्शन पर दिखाया जा सके। 3

22. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो के अर्थ स्पष्ट कीजिए : 1/2+1/2=1
- (क) माउस
- (ख) क्रिस्टल
- (ग) हार्मोन
23. (क) जीवन में वैज्ञानिक दृष्टि के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। 2
- (ख) प्राचीन भारतीय वैज्ञानिकों की खगोलविज्ञान के क्षेत्र में क्या-क्या उपलब्धियाँ रहीं? उन पर प्रकाश डालिए। 2
24. भारत में जनसंख्या में दिनों-दिन होने वाली वृद्धि के किन्हीं चार कारणों का उल्लेख कीजिए। 4
25. (क) विज्ञान की भाषा की किन्हीं तीन विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 3
- (ख) हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 3

★ ★ ★